23-07-2020

# मेडिकल व शीतल पेय इंडस्ट्री में सेल्फर लेस चीनी की डिमांड

- इंडिया की करीब15 परसेंट चीनी मिलें सल्फर लेस चीनी बना रही
- इंडियन शुगर इंडस्ट्री को टेक्नोलॉजी चेंज करनी होगी

डी टी एनएन। इंडिया की मेडिकल इंडस्ट्री में सल्फर लेस चीनी की डिमांड ज्यादा है। यही नहीं कोल्ड ड्रिंक इंडस्ट्री में भी सल्फर लेस शुगर की मांग लगातार बनी हुई है। कोल्ड ड्रिंक इंडस्ट्री को अगर सल्फर लेस चीनी नहीं मिलती है तो वह अच्छी क्वालिटी वाली चीनी का यूज़ कर लेता है। इंडिया में करीब 15 परसेंट शुगर मिलें सल्फर लैस शुगर बना रही हैं। हालाकी इंटरनेशनल मार्केट में भी सल्फर लेस चीनी की डिमांड बनी हुई है। इंटरनेशनल मार्केट में फाइंड रिफाइंड क्वालिटी वाली ही चीनी बिकती है। यह जानकारी नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट ऑफ के डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने दी।

## शुगर इंडस्ट्री दूसरे प्रोडक्ट पर भी फोकस करें

नेशनल शुगर इंस्टिट्यूट के डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने भारतीय मानक ब्यूरो के ऑनलाइन प्रोग्राम में शिरकत करते हुए कहा कि देश की शुगर इंडस्ट्री अब धीरे-धीरे अपने आप को चेंज कर रही हैं। शुगर इंडस्ट्री ने डिफरेंट टेस्ट वाली शुगर बनाने की दिशा में भी काम शुरू कर दिया है। शुगर इंडस्ट्री टेक्नोलॉजी को धीरे-धीरे अपडेट कर रही हैं और इंटरनेशनल मार्केट में जिस तरह की चीनी की डिमांड है उस पर धीरे-धीरे फोकस कर रही हैं। शुगर मिलें सिर्फ चीनी बनाने तक ही अब सीमित नहीं रहना चाहती हैं वह दूसरे अन्य उत्पादों पर भी फोकस कर रही हैं। कोई बड़ी बात नहीं की आने वाले टाइम में बोतल बन्द सुगरकेन जूस मार्केट में मिलने लगे कुछ शुगर इंडस्ट्री ने इस प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर दिया है।

एनएसआई डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल

## देश में 160 लाख टन सल्फर लेस चीनी की जरूरत

एन एस आई के डायरेक्टर प्रोफेसर नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने बताया कि देश की 32 शुगर मिलें सल्फर लेस शुगर बना रही हैं । इन चीनी मिलों से करीब 15 लाख टन चीनी का उत्पादन किया जा रहा है हालांकि देश में करीब 150 से 160 लाख टन सल्फर लेस चीनी की जरूरत है। चीनी की सबसे ज्यादा डिमांड फार्मा फार्मा इंडस्ट्री से है। इसके अलावा हेल्थ को ध्यान में रखते हुए शीतल पेय बनाने वाली इंडस्ट्री भी सल्फर लेस चीनी पर फोकस करती हैं। भारतीय मानक ब्यूरो के ऑनलाइन प्रोग्राम में प्रोफेशन नरेंद्र मोहन अग्रवाल ने कहा कि शुगर इंडस्ट्री मानकों पर पूरा खरा उतरने की कोशिश करती हैं। इंस्टिट्यूट प्रतिवर्ष शुगर स्टैंडर्ड शुगर इंडस्ट्री को रिलीज करके देता है।